सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-पाँचवीं **विषय: हिंदी** **पाठ ११-माँ ! ये लहरें भी गाती हैं**

पृष्ठ संख्या 80 पर दिए गए सभी शब्दार्थ अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

लघूत्तरीय प्रश्न

उ०१-लहरें नव से चंद्रमा को उतार लाई हैं , क्योंकि वे उसके साथ खेलना चाहती हैं।

उ०२-लहरें चंद्रमा को अपने जल के झूले पर झुला रही हैं।

उ०३-लहरें हँस - हँस कर तट से अपनी बातें कहती हैं।

उ०४-हँसते हुए जीवन पथ पर आगे बढ़ते जाओ , लहरें यह कहती हुई आती हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उ०१-मचलना बच्चों का स्वभाव होता है । बालिका भी मचलती है ,उसने लहरों को भी मचलते हुए देखा इसलिए उसने लहरों को अपने जैसा कहा है।

उ०२-लहरें किनारे तक आती है और फिर चली जाती हैं । वे बार-बार ऐसा करती हैं। बालिका को ऐसा लगता है कि वे उसे खेलने के लिए बुला रही हैं।

उ०३-जब समुद्र में उठती लहरों पर चाँदनी पड़ती है तो वह लहरों के साथ उठती गिरती प्रतीत होती है तब ऐसा लगता है कि चाँद जल के झूले पर झूल रहा हो।

उ०४-लहरें हमें जीवन रूपी पथ पर लगातार बढ़ते रहना सिखाती हैं । हृदय में उमंग भर कर हँसते हुए हमें जीवन में निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

वाक्य प्रयोग

१-मधुर (मीठा)

कोयल अत्यंत मधुर स्वर में गीत गाती है।

२-उमंग (मन की खुशी)

हम सभी ने उमंग और उल्लास के साथ अपनी पर्वतीय यात्रा को आरंभ किया।

३-क्षण (पल)

माँ एक क्षण के लिए भी अपने बच्चों को अपनी आँखों से ओझल नहीं होने देती।

४-पथ (रास्ता)

हमें सदा सत्य के पथ पर चलना चाहिए।